



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15 ]  
No. 15 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 4, 2000/माघ 15, 1921  
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 4, 2000/MAGHA 15, 1921

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2000

सं. 7/1(1)/99-सी ई आर सी.—केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (कार्य संचालन) विनियमावली, 1999 के विनियम-42 की धारा 11 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में अन्य सभी सहायक शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग निम्नलिखित आदेश जारी करता है :-

11 इस आदेश को केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (नोटिस, कार्यवाही तथा अन्य दस्तावेजों का प्रेषण) आदेश, 2000 कहा जाएगा ।

12 यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और अगले आदेशों तक प्रभावी रहेगा ।

13 किसी प्रक्रिया से सम्बन्ध पक्षों द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए जाने की अवस्था में उनके द्वारा नोटिसों, कार्यवाही तथा अन्य दस्तावेजों का प्रेषण, रजिस्टर्ड डाक/पावती देय के साथ-साथ प्रतिष्ठित कूरियर के माध्यम से किया जाएगा ।

इस आदेश के प्रयोजनार्थ 'प्रतिष्ठित कूरियर' से तात्पर्य उस कूरियर से है जिसका सम्पूर्ण भारत में प्रभावी सेवा नेटवर्क हो ।

14 संबंधित पक्षों द्वारा उपर्युक्त सेवा के प्रमाण-स्वरूप प्राप्त रसीद की प्रतियां हलफनामे सहित आयोग को प्रस्तुत की जाएंगी ।

संजीव एस. अहलुवालिया, सचिव

[ विज्ञापन/3/4/असाधारण/150/99 ]

**CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st January, 2000

**No. 7/1(1)/99-CERC.**—In exercise of powers conferred under clause (1) of Regulation 42 of the Central Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations 1999, and all other powers enabling in this behalf, the Central Electricity Regulatory Commission makes the following order:

- (1) This order shall be called the Central Electricity Regulatory Commission (Service of Notices, process and other documents) Order No: 1/2000.
- (2) This order shall come into force with immediate effect and shall remain in force until further order.
- (3) Where the parties to a proceeding have nominated a Nodal Officer, the service of notices, processes and other documents by the parties shall be made through a reputed courier, in addition to service through the Registered Post/Acknowledgement due.

For the purpose of this order, a “reputed courier” means a courier having effective network of service throughout the territory of India.

- (4) The copies of the receipt/acknowledgement in proof of service shall be filed by the parties before the Commission, duly supported by affidavit.

SANJEEV S. AHLUWALIA, Secy.

[Advt/III/IV/Exty/150/99]